an>

Title: Regarding National Highways in Uttar PRadesh.

श्री हुकुम सिंह **:** महोदया, यहां से 25 किलोमीटर दूर से उत्तर प्रदेश की सीमा शुरू होती है, लेकिन दुर्भाग्य है कि मुझे अपने क्षेत्र तक जाने के लिए 125 किलोमीटर सफर तय करना पड़ता है क्योंकि दिल्ली-यमुनोत्री मार्ग बिल्कुल खण्डहर हो चुका है। यह मार्ग तीन राज्यों - दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड को जोड़ता है। यह मार्ग राष्ट्रीय मार्ग होने के मानक पूरे करता है, लेकिन इसके बावजूद यह राष्ट्रीय मार्ग घोषित नहीं हुआ है। अगर यह मार्ग बन जाए तो हम लोग यहां से चलकर कम से कम एक घण्टे में अपने क्षेत्र पहुंच जाएंगे। यही हालत पानीपत-खटीमा मार्ग की है, जो हरियाणा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड को जोड़ता है। उसके बारे में भी मैंने आग्रह किया है कि इसे राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किया जाए, लेकिन वह भी अभी तक नहीं किया गया है। यही हालत करनाल-मेरठ मार्ग की है। अगर ये तीनों मार्ग राष्ट्रीय मार्ग घोषित हो जाएं तो इस पूरे क्षेत्र की हालत सुधर जाएगी, वरना हमारी स्थिति यह है कि अपने घर जाने के लिए हमें हरियाणा से होकर 125 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है, जबकि उत्तर प्रदेश की सीमा 25 किलोमीटर दूर से ही शुरू हो जाती है।

मैं आपके माध्यम से आग्रह करता हूं कि इन तीनों मार्गों को राष्ट्रीय मार्ग घोषित किया जाए और जो सड़कें खण्डित हो चुकी हैं, प्रधानमंत्री योजना के अंतर्गत बनी सड़कें भी खण्डित हो चुकी हैं, उनकी दुर्दशा हो चुकी है, उनकी भी मरम्मत कराई जाए। धन्यवाद।

डॉ. सत्यपाल सिंह **(**बागपत**) :** मैं श्री हुकुम सिंह जी द्वारा उठाए गए विषय के साथ सम्बद्ध करता हूं।

माननीय अध्यक्ष **:** अगर सभा की सहमति हो तो सदन का समय शून्य प्रहर की लिस्ट पूरी होने तक बढ़ा दें।

अनेक माननीय सदस्यः जी, हाँ।